दिनांक **11** जून, **2018** को दुमा, देवघर में एकल विद्यालय अभियान द्वारा आयोजित ‘‘समग्र विकास कार्यक्रम’’ के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण हेतु मुख्य बिन्दुः–

- विश्व की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी देवघर के कांवरिया पथ में एकल विद्यालय अभियान द्वारा आयोजित ‘‘समग्र विकास कार्यक्रम’’ में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।
- इस क्षेत्र के लोग सौभाग्यशाली हैं क्योंकि इस क्षेत्र की एक विशिष्ट पहचान है। इस शिवनगरी में देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की पूजा करने आते हैं। इस पवित्र स्थल से महान हस्तियों जैसे– स्वामी सत्यानन्द जी, ठाकुर अनुकूल चन्द्र जी का लगाव रहा है। यह स्थान आपसी भाईचारे और अटूट सांप्रदायिक सौहार्द के लिए भी जाना जाता है।

- जैसा कि सभी जानते हैं, एकल विद्यालय अभियान एक राष्ट्रीय स्तर की स्वयंसेवी संस्थान है। इसके द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में पंचमुखी शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया जाता है।
- एकल विद्यालय अभियान के तहत पंचमुखी शिक्षा कार्यक्रम के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम विकास, स्वाभिमान जागरण तथा भारतीय परंपरा एवं संस्कृति संरक्षण का कार्यक्रम विभिन्न ग्रामों में चलाने का प्रयास किया जाता है। जन–हित एवं समाज–हित में एक सार्थक प्रयास कहा जा सकता है।
- मेरी कोशिश रही है कि सभी को बुनियादी सुविधायें प्राप्त हो। वे सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त हो ताकि ‘‘समग्र विकास’’ का हम सभी का सपना पूर्ण हो सके। सभी को विकास का लाभ मिले तथा वे देश की प्रगति में अपनी सक्रिय भागीदारी का निर्वहन करे।

- मेरे विचार से, राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा पर और ध्यान देने की आवश्यकता है। जन–जन को शिक्षा ग्रहण के प्रति प्रेरित किया जाय।
- झारखण्ड राज्य के विद्यार्थियों में असीम प्रतिभा देखने को मिलती है। वे विपरीत परिस्थिति में भी अच्छा कर रहे हैं। हमारी छात्रायें भी पढ़ाई में अच्छा कर रही है।
- कुल मिलाकर, यहाँ के बच्चों में, हर क्षेत्र में असीम प्रतिभा है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता है। मैंने उन्हें स्वयं निकट से देखा है।
- राज्य के अपने होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करने के मकसद से मैं स्वयं राज्य के विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण करती हूँ। इस क्रम में बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को भी सुनती हूँ। उन्हें मैंने सदा अच्छा करने का संदेश दिया है तथा उच्च चरित्र के साथ जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की मुकाम हासिल करने हेतु कहा है।

- सुखद है कि हमारे बच्चे सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं है। वे व्यवहारिक ज्ञान से भी अवगत हैं। उनमें खेलकूद, पेंटिंग, चित्रकला, विज्ञान प्रदर्शनी, संगीत और नृत्य के प्रति अत्यन्त लगाव देखा गया है। आवश्यकता है, इन्हें प्रोत्साहित करने की।
- आज समग्र विकास विकास कार्यक्रम के तहत इस संस्था द्वारा एक मॉडल पेश किया जा रहा है जिसके तहत **Computer on Wheels,** श्री हरि दर्शन रथ, पोषण वाटिका रथ के साथ देवघर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में एकल विद्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है। स्वयं को मैं सौभाग्यशाली मानती हूँ कि मैं इस नेक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकी।

- **Computer on Wheels** के द्वारा बस में **Computer Class** की व्यवस्था कर, इसके माध्यम से गांव–गांव जाकर बच्चों को **computer** सीखाने की एक बेहतर योजना कही जा सकती है। आज का युग **I. T.** का है। **digitalization** के इस दौर में **computer** की अहमियत को कोई भी नकार नहीं सकता है। ऐसे में, **Computer on Wheels** कार्यक्रम, अत्यन्त ही नेक पहल कही जा सकती है। इस कार्यक्रम के जरिये सभी को **computer** की बुनियादी जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- श्री हरि दर्शन रथ के तहत भारत की कई हजार पुरानी एवं गौरवशाली संस्कृति को दिखाने की कोशिश की जायेगी। इससे हमारी नई पीढ़ी अपने गौरवशाली संस्कृति के बारे में बेहतर तरीके से अवगत हो सकेंगे।

- आज कुपोषण हमारे समक्ष एक गंभीर समस्या है। सभी अपने आहार में पोषक तत्व को शामिल करे, इस मकसद से पोषण वाटिका रथ का शुभारंभ किया जा रहा है। बहुत–से लोगों में यह भ्राँतियाँ रहती हैं कि सिर्फ महंगे खाद्य पदार्थों में ही पौष्टिकता है। लेकिन ऐसा नहीं है, साक्–सब्जी में भी बहुत ही पौष्टिकता है। हमारे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बालिकाओं को पौष्टिक भोजन मिले, इस दृष्टिकोण से आशा है कि पौष्टिक वाटिका रथ कारगर सिद्ध होगी।
- मेरा मानना है कि किसी भी देश की उन्नति हेतु जरूरी है कि वह अपने नौजवानों को मज़बूत एवं दक्ष बनायें।
- हमारी सबसे बड़ी ताकत युवा है। राज्य में युवाओं की संख्या एक करोड़ के आस–पास है। युवा सोच, युवा इरादे और युवा शक्ति सुदृढ़ समाज, राज्य और देश के आधार है।

- आज हमारे युवा स्वर्णिम अवसरों की तलाश में है ताकि अपनी क्षमताओं का भरपूर प्रयोग राज्य और देश के हित में कर सकें। उनकी प्रगति से ही देश सर्वशक्तिसम्पन्न देशों की कतार में शामिल हो सकेगा।
- हमें गर्व है कि हमारे देश के युवा पूरी दुनिया में अपने हुनर से राष्ट्र का नाम रौशन कर रहे हैं। जहाँ तक हमारे राज्य की बात है, हमारे राज्य के युवा प्रतिभावान है। उन्होंने अपने बुद्धि, परिश्रम से राज्य को गौरवान्वित किया है। हमें नाज है उन युवाओं पर जिन्होंने अपने कौशल के बल पर आज पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं।
- हमारी कोशिश है कि युवाओं के कौशल विकास से अधिक–से–अधिक रोजगार सुलभ हो। स्वरोजगार से हमारे युवा आत्मनिर्भर बनें और राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दे। आप सभी की उन्नति में ही राष्ट्र की प्रगति निहित है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!